



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 463] नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, नवम्बर 10, 1994/कार्तिक 19, 1916
No. 463] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 10, 1994/KARTIKA 19, 1916

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1994

सं. 136/94-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 798 (प्र).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपाबंध 1 में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क माल को, (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उन्हें शतप्रतिशत निर्यातान्मुख उपक्रम में इस अधिसूचना के उपाबंध 2 में विनिर्दिष्ट यथास्थिति, वस्तुओं के उत्पादन या विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में लाया जाए,—

(i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से ; और

(ii) अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

(क) उपक्रम, केन्द्रीय सरकार द्वारा, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 14 और उस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियुक्त अनुमोदन बोर्ड (जिसे इसमें इसके पश्चात् “बोर्ड” कहा गया है) द्वारा शतप्रतिशत निर्यातान्मुख उपक्रम के लिए अनुमोदित है ;

(ख) उक्त माल उत्पादन के कारखाने से उपक्रम में सीधे लाए जाते हैं और उनका उपयोग एक मात्र नियमित के लिए अभिप्रेत माल के उत्पादन या विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में किया जाता है ;

(ग) ऐसा उपक्रम उक्त माल से पूर्णतः या भागतः विनिर्मित वस्तुओं का शतप्रतिशत या ऐसा अन्य प्रतिशत, जो बोर्ड द्वारा नियत किया जाए, बोर्ड द्वारा नियत अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि तक जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, भारत के बाहर निर्यात करता है ;

(घ) उत्पादित या विनिर्मित और भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुज्ञात उत्पाद, शुल्क वस्तुओं की निकासी पर, ऐसा उपक्रम उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम की धारा 3 के निबंधनों के अनुसार ऐसी वस्तुओं पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क का संदाय करेगा ;

(ङ) उक्त माल का विनिर्माता केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 156क और 156ख, जो उक्त नियम के नियम 173इ द्वारा उपरिचित हैं, में अतिरिक्त प्रक्रिया का अनुसरण करता है ;

(ब) उपक्रम उपान्तरण सहित उक्त नियम के अध्याय 10 में प्रतिलिखित इस प्रक्रिया का अनुसरण करना है कि इस अधिसूचना के उपाध में बिलिखित प्रमाण सी. टी. 3 में प्रमाणपत्र का उपयोग उक्त नियम के अधीन बिलिखित प्रमाण सी. टी. 2 में प्रमाणपत्र के स्थान पर उपक्रम का भारमाधक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी द्वारा किया जाएगा ;

(छ) बोर्ड द्वारा अनुज्ञात, यथास्थिति, पूंजी माल या कार्यालय उपकरणों की निकासी पर, ऐसा उपक्रम अवस्थिति मूल्य पर उत्पाद-शुल्क का ऐसे उत्पाद-शुल्क के संदाय के समय प्रवृत्त दर से संदाय करेगा ;

(ज) उपर्युक्त शर्त (छ) में बिलिखित माल से भिन्न ऐसे माल की, जो बोर्ड द्वारा अनुज्ञात किए जाए, निकासी पर ऐसा उपक्रम बिलिखित के कारखाने से उनकी निकासी के समय पूर्ण मूल्य पर उत्पाद-शुल्क का ऐसे उत्पाद-शुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त दर से संदाय करेगा ।

स्पष्टीकरण—अवस्थिति उपक्रम द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन की तारीख से या ऊपर शर्त (छ) में बिलिखित माल की उपक्रम में प्राप्ति की तारीख से, इन दोनों में से जो भी पश्चात्तयनी हो, प्रारंभ होने वाली और शुल्क के संदाय की तारीख तक की अवधि के लिए अनुज्ञात होगा ।

उपाबंध 1

1. पादप-गृह उपकरण, उपसाधन, ऊल्लित, मूलोत्पत्ति मैजें, प्रवर्धन ट्रे, बीआरोंपण मशीनें ।
2. वर्धमान मोडिया, जैसे पीट, फॉम (जिसे अंतर्गत पीट मिटर भी है) (चाहे वह एकलित हों या नहीं), फ्लाइट/कमिल, रॉकवुल, कोको पेड, हाइड्रोकार्बन, फेन आधारित माध्यम और अन्य कृत्रिम माध्यम ।
3. कार्यालय उपकरण उस सीमा तक जो बोर्ड द्वारा अनुज्ञात की जाए ।
4. पशु और आश में फसल उपचार के लिए उर्वरक और रसायन, जैसे, माइक्रो, पोषक, पादप और संबद्ध नियामक तथा पादप पोषण, कीट-नाशी, कवकनाशी, खरपटवारनाशी, शाकनाशी और ऐसे ही के लिए उपयोग किए जाने वाले अन्य कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थ ।
5. पशु दाना, जैसे, पशु खाद्य और कुक्कुट खाद्य ।
6. पशु चिकित्सा औषध, जिसके अंतर्गत वैक्सीन भी हैं ।
7. पैकेजिंग सामग्री, जिसके अंतर्गत पैकेजिंग के लिए मशीनरी और उपकरण भी हैं ।

उपाबंध 2

1. जीवित पशु ।
2. शीर्ष 04.04 के पक्षियों के अंडे (ताजे), छिलके सहित ।
3. जीवित वृक्ष और अन्य पौधे, शल्ककंद, जड़ें, और उनी प्रकार की चीजें, काटे गए फूल और अलंकृत पर्णमूह ।
4. अध्याय 7 की, ताजी वनस्पतियां, साधन बिना कटी/धूप में शुष्कित वनस्पतियां; ताजी और बिना कटी/धूप में शुष्कित जड़ें और ट्यूबर ।
5. अध्याय 8 के ताजे और बिना कटे/धूप में शुष्कित फल और गिरी फल ।
6. ताजे या धूप में शुष्कित पौधे और ऐसे पौधों के भाग ।
7. रेणुस कीट कोषे और कच्चा रेणुस ।

टिप्पण : उपाबंध में निर्दिष्ट अध्याय और शीर्ष वे हैं जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) में हैं ।

उपाबंध 3

भ तारीख

प्रमाण सी. टी. 3

अधपत्र के अधीन उत्पाद-शुल्क माल के हटाए जाने के लिए प्रमाणपत्र ।

यह प्रमाणित किया जाता है कि:

(1) श्री/मैसर्स (नाम और पता) सदभावी अनुज्ञतिधारी है/हैं जो तक विधिमानी अनुज्ञति मं बा/के धारक है/हैं ।

(2) उसने/उन्होंने प्रमाण ख-16 (साधारण प्रतिभू/सामान्य प्रतिभूति) में एक अधपत्र निष्पादित किया है ।

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के पास मं तारीख द्वारा रूप में जमा किए गए, अंतः स्थित एकक से स्थित उनके उपक्रम तक (उत्पाद-शुल्क माल) की (मात्रा) हटाए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाए ।

(3) उसके/उनके प्राधिकृत अधिकारी, अथवा श्री के सम्यक रूप से अनुप्रमाणित नमूना हस्ताक्षर इसके नीचे दिए गए हैं :
स्वामी या उसके प्राधिकृत ह. / - शतप्रतिशत नियतानुसृत अधिकृत के नमूना अनुप्रमाणित उपक्रम का भारमाधक हस्ताक्षर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी

[फा. सं. 354/40/90-टी आर. य.]

नरुण कुमार गोविन्द, सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1994

No. 136/94-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 798(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts excisable goods specified in the Annexure I to this notification (hereinafter referred to as the said goods) when brought in connection with the production or manufacture or packaging of articles specified in Annexure II to this notification, as the case may be, into a hundred

percent export oriented undertaking from the whole of:—

- (i) the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944); and
- (ii) the additional duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957),

subject to the following conditions, namely:—

- (a) the undertaking is approved by the Board of Approval for hundred per cent export oriented undertaking appointed by the Central Government in exercise of the powers conferred by section 14 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and the rules made under that Act (hereinafter referred to as the Board);
- (b) the said goods are brought directly to the undertaking from the factory of production and are used in connection with the production or manufacture or packaging of goods meant solely for export;
- (c) such undertaking exports out of India hundred per cent or such other percentage as may be fixed by the Board, of articles manufactured wholly or partly from the said goods for the period stipulated by the Board or such extended period as may be specified by the Board;
- (d) on clearance of the excisable articles produced or manufactured and allowed to be sold in India, such undertaking shall pay duty of excise leviable on such articles in terms of section 3 of the said Central Excises and Salt Act;
- (e) the manufacturer of the said goods follows the procedure contained in rules 156-A and 156-B of the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules) as modified by rule 173-N of the said rules;
- (f) the undertaking follows the procedure contained in Chapter X of the said rules with the modification that a certificate in form C.T.3 as specified in Annexure III to this notification shall be used by the central excise officer in charge of the undertaking in place of a certificate in form C.T.2 prescribed under the said rules.

- (g) on the clearance of capital goods or office equipments, as may be allowed by the Board, such undertaking shall pay excise duty on depreciated value and at the rate in force at the time of payment of such excise duty.
- (h) on the clearance of goods other than those specified in condition (g) above, as may be allowed by the Board, such undertaking shall pay excise duty on the full value at the time of their clearance from the factory of manufacture and at rates in force on the date of payment of such excise duty.

Explanation : The depreciation shall be allowed for the period commencing from the date of commercial production by the Undertaking or the date of receipt of the goods specified in the condition (g) above, in the Undertaking, whichever is later, till the date of payment of duty.

ANNEXURE-I

1. Green House equipment, accessories, heated rooting tables, propagation trays, seeding machines.
2. Growing media such as Peat Moss (Including peat litres) (whether or not agglomerated), Pearlite/Vermiculite, Rockwood, Cocoa pet, Hydrocorn, Foam based medium and other cultivation medium.
3. Office equipment to such extent as may be allowed by the Board.
4. Fertilizers and chemicals for pre and post harvest treatments such as micro nutrients, plant and growth regulators and other organic and organic substances used for plant nutrition, insecticides, fungicides, weedicides, herbicides, and the like.
5. Animal feed such as cattle feed and poultry feed.
6. Veterinary medicines including vaccines.
7. Packing materials including machinery and equipment for packaging.

ANNEXURE II

1. Live animals.
2. Bird's eggs (fresh) in shells of Heading 04.04.
3. Live trees and other plants; bulbs, roots and the like, cut flowers and ornamental foliage.

4. Fresh vegetables; whole uncut sun dried vegetables; Fresh and uncut/sun dried roots and tubers of Chapter 7.

5. Fresh and uncut/sun dried edible fruits and nuts of Chapter 8.

6. Fresh or sun dried plants and parts of such plants.

7. Silk worm cocoons and raw silk.

Note : The Chapters and Headings referred to in the Annexure are those of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).

ANNEXURE III

No.....

Date

FORM C.T. 3

Certificate for removal of excisable goods under bond

This is to certify that :

(1) Mr./Messrs.....(Name and address)is/are bona fide licensee holding licence No..... valid upto.....

(2) That he/they has/have executed a bond in form B-16 (General Surety/General Security)

No.....date.....for Rs.....with the Assistant Collector of Central Excise.....and as such may be permitted to remove.....(quantity) of.....(excisable goods) from the unit at.....to their undertaking.....at.....

(3) That the specimen signatures of his/their authorised agent namely Shri..... are furnished here below duly attested :

Specimen Signatures of the owner or his authorised agent

Sd/-
Attested.

Central Excise Officer-in-charge of the 100% Export-oriented Undertaking

[F.No. 345/40/94-TRU]

TARUN KUMAR GOVIL, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली 10 नवम्बर, 1994

सं. 137/94 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. वि. 799(प्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और ममक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 5/94 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 1 मार्च, 1994 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, स्पष्टीकरण के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक प्रस्तुत स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“इस 'अधिसूचना की कोई बात ऐसे किसी उपक्रम पर लागू नहीं होगी जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 136/94 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 10 नवम्बर, 1994 के विधिवत् संशोधन के अनुसार किसी रियायत का लाभ प्राप्त करता है।”

[सं. का. सं. 354/40/94 टीआरयु]
तरुण कुमार गोविल, प्रवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1994

No. 137/94-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 799(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 57/94-Central Excises, dated the 1st March, 1994, namely:—

In the said notification, after the Explanation, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that nothing contained in this notification shall be applicable to an undertaking which avails of any concession in terms of notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 136/94-Central Excises, dated the 10th November, 1994.”

[F. No. 354/40/94-TRU]
TARUN KUMAR GOVIL, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1994

सं. 138/94 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा. का. नि. 800(अ) :— केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, इससे उपाखण्ड सा-णो में विनिर्दिष्ट उत्पाद शुल्कमाल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) वह किसी उपक्रम में वस्तुओं को मरम्मत पुनरनुकूलन या पुनः इंजीनियरी के लिए अधिप्राप्त किया जाता है।

(i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 क अधीन उस पर अद्यतनीय समस्त उत्पाद शुल्क से : और

(ii) अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा

(i) के अधीन उस पर उदगृहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

(क) यथास्थिति, मरम्मत पुनरनुकूलन या पुनः इंजीनियरी, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 65 के उपबन्धों के अनुसार की जाती है; और

(ख) यथास्थिति, मरम्मत, पुनरनुकूलन या पुनः इंजीनियरी की गई वस्तुओं का निर्यात किया जाता है और एक के बाहर देशों को नहीं हटाया जाता है ;

(ग) उक्त माल का विनिर्माता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 173डू द्वारा यथा उपान्वित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 156 क और 156 में दी गई प्रक्रिया का पालन करता है ;

(घ) उपक्रम उक्त नियमों के अध्याय 10 में दी गई प्रक्रिया का इस उपान्तरण के साथ पालन करता है कि इस अधिसूचना के उपाखण्ड में यथा विनिर्दिष्ट प्ररूप सी टी 3 में एक प्रमाणपत्र, उक्त नियमों के अधीन विहित प्ररूप सी टी 2 में प्रमाणपत्र के स्थान पर, उपक्रम के भारसाधक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी द्वारा उपयोग में लाया जाता है।

सारणी

1. पूंजी माल और उनके अतिरिक्त पुर्जे।
2. सामग्री उठाई-धराई के लिए उपस्कर, अर्थात् कांटा उत्कर्ष, शिरोपरि जैन, चल जैन, आउलर जैन, उल्लासक तथा स्टेकर और उनके अतिरिक्त पुर्जे।
3. बड़ विद्युत उत्पादन मीट और उनके अतिरिक्त पुर्जे, ईंधन, स्नेहक और ऐसे उत्पादन सेटों के लिए अन्य खपने योग्य सामग्री।
4. कार्यालय उपस्कर, अतिरिक्त पुर्जे और उनकी खपने वाली सामग्री।
5. कच्ची सामग्री।

6. संघटक।

7. खपने वाली सामग्री,

8. वैकजिंग सामग्री।

9. औजार, शिग, गैज, फिक्चर, मांचे, ड्राई उपकरण और उपवाहन। तथा उनके अतिरिक्त पुर्जे।

उपाखण्ड

संख्या

तारीख

प्ररूप सी. टी. 3

बंभ्रपत्र के अधीन उत्पाद शुल्क मास के हटाए जाने के लिए प्रमाणपत्र। यह प्रमाणित किया जाता है कि :

(1) श्री/मैसर्स (नाम आ" रा")
सबसे अधिक अनुज्ञप्तिप्राप्त है/हैं जो
सक विधिमान्य अनुज्ञप्ति स.
का/के धारक है/हैं।

(2) उसने/उन्होंने प्ररूप ख-16 (सामान्य प्रतिभू / सामान्य प्रतिभूति) में एक बंधपत्र निष्पादित किया है।

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के
पाम सं. तारीख
द्वारा रुपए जमा किए गए, अतः
..... स्थित एकक से
स्थित उनके उपक्रम (उत्पाद-
शुल्क माल) की (मात्रा) हटाए जाने के
लिए अनुमान किया जाए।

(3) उसके/उनके प्राधिकृत अधिकारी, अर्थात् श्री
..... के सम्यक रूप में अनुप्रमाणित मसूदा हस्ताक्षर इसके
नीचे दिए गए हैं।

स्वाक्षी या उसके प्राधिकृत ह. मान प्रतिगत निर्यातमुख
अधिकर्ता के नमूना अनुप्रमाणित उपक्रम का भारसाधक
हस्ताक्षर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी

[फा. सं. 341/26/94 टी धार पू.]

तरुण कुमार गोविल, प्रवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1994

No. 138/94-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 800(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts excisable goods specified in the Table hereto annexed (hereinafter referred to as the said goods) when

received for carrying out repairs, re-conditioning or reengineering of articles into an undertaking from the whole :

- (i) the duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944); and
- (ii) the additional duty of excise leviable thereon under sub-section (1) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957),

subject to the following conditions namely :—

- (a) the repair, re-conditioning or re-engineering, as the case may be, is undertaken in accordance with the provisions of section 65 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and
- (b) the articles, repaired, re-conditioned or re-engineered, as the case may be, are exported and are not removed outside the Unit to the domestic area;
- (c) the manufacturer of the said goods follows the procedure contained in rules 156A and 156B of the Central Excises Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules) as modified by Rule 173-N of the said rules;
- (d) the undertaking follows the procedure contained in Chapter X of the said rules

with the modification that a certificate in form C.T.3 as specified in Annexure to this notification shall be used by the Central Excise Officer in charge of the undertaking in place of a certificate in form C.T.2 prescribed under the said rules.

THE TABLE

1. Capital goods and spares thereof.
2. Material handling equipments, namely, fork lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers and spares thereof.
3. Captive power generating sets and their spares, fuel, lubricants and other consumables for such generating sets.
4. Officer equipments, spares and consumables thereof.
5. Raw materials.
6. Components.
7. Consumables.
8. Packing materials.
9. Tools, Jigs, gauges, fixtures; moulds; dies; instruments and accessories and spares thereof.

ANNEXURE

No.....

Date.....

FORM C.T. 3

Certificate for removal of excisable goods under bond

This is to certify that :

(1) Mr./Messrs.....(Name and address) is/are bona fide licensee holding licence No.....Valid upto.....

(2) That he/they has/have executed a bond in Form B-16 (General Surety/General Security)

No.date.....for Rs.....with the Assistant Collector of Cenral Excise.....and as such may be permitted to remove.....(quantity) of.....(excisable goods) from the unit at.....to their undertaking.....at.....

(3) That the specimen signatures of his/their authorised agent namely Shri.....are furnished herebelow duly attested :

Specimen Signatures of the
owner or his authorised agent

Sd/-
Attested

Central Excise Officer-in-Charge of the 100%
Export-oriented Undertaking

[F.No. 341/26/94-TRU]

TARUN KUMAR GOVIL, Under Secy

अधिसूचना		1	2	3
सं. 186/94 सीमाशुल्क नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1994		3. सं. 196/89 सीमाशुल्क तारीख 30 जून, 1989	उक्त अधिसूचना के पैरा 1 में, “पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तेल क्षेत्र उपस्कर के देश में विनिर्माण और सेवाएं देश में ही उपलब्ध कराने से संबंधित समिति के सदस्य सचिव” शब्दों के स्थान पर “पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हार्डिफ़ोकार्बन महानिदेशालय के सम्यक्त: प्राधिकृत अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।	
सारणी		4. सं. 131/94 सीमाशुल्क तारीख 20 जून, 1994	उक्त अधिसूचना के पैरा 1 के परन्तुक में, “भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में उपसचिव से अनिम्न पंक्ति के किसी अधिकारी का” शब्दों के स्थान पर “पेट्रो- लियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हार्डिफ़ोकार्बन महा- निदेशालय के सम्यक्त: प्राधिकृत अधिकारी का” शब्द रखे जाएंगे।	
क्रम सं.	अधिसूचना सं. और तारीख	संशोधन		
1	2	3		
1. सं. 514/86 सीमा शुल्क तारीख 30 दिसम्बर, 1986	उक्त अधिसूचना में, “पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तेल क्षेत्र उपस्कर और सेवा देशीकरण संबंधी सशक्त समिति के सदस्य सचिव” शब्दों के स्थान पर “पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हार्डिफ़ोकार्बन महानिदेशालय के सम्यक्त: प्राधिकृत अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।			
2. सं. 333/88-सीमाशुल्क तारीख 31 दिसम्बर, 1988	उक्त अधिसूचना के पैरा 1 में, “पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तेल क्षेत्र उपस्कर के देश में विनिर्माण और सेवाएं देश में ही उपलब्ध कराने से संबंधित समिति के सदस्य सचिव” शब्दों के स्थान पर “पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हार्डिफ़ोकार्बन महानिदेशालय के सम्यक्त: प्राधिकृत अधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।			
		5. 132/94 सीमाशुल्क तारीख 20 जून, 1994	उक्त अधिसूचना के पैरा 1 के पहले परन्तुक में, “भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के उपसचिव से अनिम्न पंक्ति के किसी अधि- कारी का” शब्दों के स्थान पर “पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हार्डिफ़ोकार्बन महानिदेशालय के सम्यक्त: प्राधिकृत अधिकारी का” शब्द रखे जाएंगे।	
			[फा. सं. 354/83/94 टी आर पू.] तारुण कुमार गोविंद, अवर सचिव	

NOTIFICATION

No. 186/94-CUSTOMS

New Delhi, the 10th November, 1994

G.S.R. 801(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be amended or further amended, as in case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Notification No. & Date	Amendment
1	2	3
1.	No. 514/86-Customs dated the 30th December, 1986	In the said notification, for the words "Member-Secretary of the Empowered Committee on the indigenisation of Oil Field Equipment and Services of the Ministry of Petroleum and Natural Gas", the words "a duly authorised officer of the Directorate General of HydroCarbons, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas" shall be substituted.
2.	No. 333/88-Customs dated the 31st December, 1988	In the said notification, in paragraph 1, for the words "the Member Secretary of the Empowered Committee on the Indigenisation of Oil Field Equipment and Services of the Ministry of Petroleum and Natural Gas", the words "a duly authorised officer of the Directorate General of Hydro Carbons, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas" shall be substituted,
3.	No. 196/89-Customs dated the 30th June 1989	In the said notification, in paragraph 1. for the words "the Member-Secretary of the Empowered Committee on the Indigenisation of Oil Field Equipment and services of the Ministry of Petroleum and Natural Gas", the words "a duly authorised officer of the Directorate General of Hydro Carbons, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas" shall be substituted.
4.	No. 131/94-Customs dated the 20th June, 1994	In the said notification, in paragraph 1, in the proviso, for the words "from an officer not below the rank of Deputy Secretary to the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas" the words "a duly authorised officer of the Directorate General of Hydro Carbons, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas" shall be substituted.
5.	No. 132/94-Customs dated the 20th June, 1994	In the said notification, in paragraph 1, in the first proviso, for the words "from an officer not below the rank of Deputy Secretary to the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas", the words "a duly authorised officer of the Directorate General of Hydro Carbons, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas" shall be substituted.

[F.No. 354/63/94-TRU]

TARUN KUMAR GOVIL, Under Secy.

अधिसूचना

म 187/94 सीमाशुल्क

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1994

सा. का. नि. 802 (अ):— केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अन्तर्गत आने वाले संपूर्ण मशीनरी, उपकरणों, विशेष औजारों, कटियाओं, प्रतिरिक्त पुर्जों, जिनके अन्तर्गत बीमा प्रतिरिक्त पुर्जों भी हैं, अपने वाली सामग्री और सुरक्षा निगरानी पद्धतियों को, जब उनका पश्चिमी बंगाल में सम्बन्धी और कर्नाटक में मैसूर में नए मोट प्रेस परियोजनाएँ स्थापित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा या उसकी ओर से आयात किया जाए,—

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन यथाविनिर्दिष्ट उन पर उदग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क है; और

(ख) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के अधीन उन पर उदग्रहणीय समस्त प्रतिरिक्त शुल्क से, छूट देती है।

[फा. सं. 355/85/86 सीएमएच I]

तारुण कुमार गोविल, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1994

No. 187/94-CUSTOMS

G.S.R. 802(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts plant, machinery, equipments, special tools, tackles, spares including insurance spares, consumables and the security surveillance systems falling under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported by or on behalf of the Reserve Bank of India for the setting up of new

note press projects at Salboni in West Bengal and at Mysore in Karnataka, from—

(a) the whole of the duty of customs leviable thereon, as specified under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975); and

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975).

[F. No. 355/85/86-Cus I]

TARUN KUMAR GOVIL, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1994

सा. का. नि. 803 (अ):— भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि.सं. 138(अ) के अंतर्गत प्रकाशित वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 1 मार्च, 1994 की अधिसूचना सं. 26/94 सीमा शुल्क के प्रारंभिक पैराग्राफ में शब्द और संख्या "अध्याय 28, अध्याय 29 या अध्याय 30" के स्थान पर "अध्याय 5, अध्याय 28, अध्याय 29 या अध्याय 30" पढ़ा जाए।

[फा. सं. 332/108/94 टो आर यू.]

तारुण कुमार गोविल, अवर सचिव

New Delhi, the 10th November, 1994

CORRIGENDUM

G.S.R. 803(E).—In the Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 26/94-Customs, dated the 1st March, 1994; published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i) under GSR No. 138(E), in the opening paragraph for the words and figures 'Chapter 28, Chapter 29 or Chapter 30' read "Chapter 5, Chapter 28, Chapter 29 or Chapter 30".

[F. No. 332/108/94-TRU]

TARUN KUMARR GOVIL, Unders Secy.

